एम.एच.डी.

एम. ए. हिंदी कार्यक्रम

द्वितीय वर्ष के सत्रीय कार्य
(जुलाई 2018 और जनवरी 2019 सत्रों के लिए)

अनिवार्य पाठ्यक्रम

एम.एच.डी.–1 : हिंदी काव्य–1
एम.एच.डी.–5 : साहित्य सिद्धांत और समालोचना
एम.एच.डी.–7 : हिंदी भाषा और भाषाविज्ञान

वैकल्पिक पाठ्यक्रम

मॉड्यूल '1' – कहानी : विशेष अध्ययन

एम.एच.डी–09 : कहानी : स्वरूप और विकास
एम.एच.डी–10 : प्रेमचंद की कहानियां
एम.एच.डी–11 : हिंदी कहानी
एम.एच.डी–12 : भारतीय कहानी

अथवा

मॉड्यूल '2' – उपन्यास : विशेष अध्ययन

एम.एच.डी–13 : उपन्यास : स्वरूप और विकास
एम.एच.डी–14 : हिंदी उपन्यास–1 (प्रेमचंद का विशष अध्ययन)
एम.एच.डी–15 : हिंदी उपन्यास–2
एम.एच.डी–16 : भारतीय उपन्यास

अथवा

मॉड्यूल '3' – दलित साहित्यः विशेष अध्ययन

एम.एच.डी–17 : भारत की चिंतन परंपराएँ और दलित साहित्य
एम.एच.डी–18 : दलित साहित्य की अवधारणा और स्वरूप
एम.एच.डी–19 : हिंदी दलित साहित्य का विकास
एम.एच.डी–20 : भारतीय भाषाओं में दलित साहित्य

इग्नू जन-जन का विश्वविद्यालय

मानविकी विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली–110 068

एम.ए. हिंदो कार्यक्रम (द्वितीय वर्ष)
सत्रीय कार्य : 2018-19

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.डी.

प्रिय छात्र/छात्राओ,

यह एम.ए. हिंदी द्वितीय वर्ष के सत्रीय कार्यों की पुस्तिका है। इसमें निम्नलिखित पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य हैं :

अनिवार्य पाठ्यक्रम

एम.एच.डी.–1 : हिंदी काव्य –1
एम.एच.डी–5 : साहित्य सिद्धांत और समालोचना
एम.एच.डी–7 : हिंदी भाषा और भाषाविज्ञान

वैकल्पिक पाठ्यक्रम

<u>मॉड्यूल '1' – उपन्यास : विशष अध्ययन</u>
एम.एच.डी–09 : कहानी : स्वरूप और विकास
एम.एच.डी–10 : प्रेमचंद की कहानियां
एम.एच.डी–11 : हिंदी कहानी
एम.एच.डी–12 : भारतीय कहानी

अथवा

<u>मॉड्यूल '2' – उपन्यास : विशष अध्ययन</u>
एम.एच.डी–13 : उपन्यास : स्वरूप और विकास
एम.एच.डी–14 : हिंदी उपन्यास–1 (प्रेमचंद का विशेष अध्ययन)
एम.एच.डी–15 : हिंदी उपन्यास–2
एम.एच.डी–16 : भारतीय उपन्यास

अथवा

<u>मॉड्यूल '3' – दलित साहित्यः विशष अध्ययन</u>
एम.एच.डी–17 : भारत की चिंतन परंपराएँ और दलित साहित्य
एम.एच.डी–18 : दलित साहित्य की अवधारणा और स्वरूप
एम.एच.डी–19 : हिंदी दलित साहित्य का विकास
एम.एच.डी–20 : भारतीय भाषाओं में दलित साहित्य

एम.एच.डी.-5 पाठ्यक्रम 8 क्रेडिट का ह। शष सभी पाठ्यक्रम 4–4 क्रेडिट के हैं। प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए आपको एक-एक सत्रीय कार्य करना होगा। प्रत्येक सत्रीय कार्य के लिए 100 अंक निर्धारित किए गए है। प्रत्येक सत्रीय कार्य में पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जाएंगे। विद्यार्थियों को सभी अनिवार्य पाठ्यक्रम के सत्रीय कार्य करने होंगे। लेकिन वैकल्पिक पाठ्यक्रमों के मॉड्यूल '1' और '2' अथवा मॉड्यूल '3' में से किसी एक मॉड्यूल के सभी पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य करने होंगे। आप उसी मॉड्यूल के पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य करें जिस मॉड्यूल का आपने चयन किया है और जिसकी पाठ्य सामग्री आपको प्राप्त हुई है।

एम.ए. कार्यक्रम में अध्ययन के लिए आपको कई खंडों में पाठ्य सामग्री भेजी गई है। साथ ही पाठ्यक्रमों में अतिरिक्त अध्ययन के लिए 'विवेचना' नाम से आलोचनात्मक आलेखों के संग्रह भेजे गए हैं। एमएचडी–1 में 'विविधा' नामक पुस्तक भी भेजी गई है। साथ ही एम.एच.डी.–17 से 20 तक चार 'विविधा' और एक 'विवेचना' नामक पुस्तक भी भेजी गई है।

एम.ए. स्तर पर परीक्षा के सवाल केवल पाठ्य पुस्तकों तक सीमित नहीं होते। अतः छात्रों से यह भी अपेक्षा की जाती है कि वे उपलब्ध कराई गई सामग्री के अतिरिक्त पुस्तकालयों से अन्य पुस्तकों और पत्रिकाओं का भी अध्ययन करें, जिससे ज्ञान में वृद्धि हो।

उद्देश्य : सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्यक्रम से संबंधित सामग्री को कितना पढ़ा-समझा है और उसका विवेचन-विश्लेषण और मूल्यांकन करने की क्षमता कितनी अर्जित की है। सत्रीय कार्यों का उद्देश्य यह भी है कि पाठ्य सामग्री के अध्ययन के पश्चात आप उसके संबंध में स्वयं अपना दृष्टिकोण विकसित कर सकें और उन्हें अपने शब्दों में लिख सकें। इसका तात्पर्य यह है कि विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध कराई गई सामग्री को आप पुनर्प्रस्तुत न करें। बल्कि पूछे गए प्रश्नों का उत्तर सोच-विचारकर अपने शब्दों मं लिखें। आपके उत्तर में आपका अध्ययन, आलोचनात्मक दृष्टि रचनाओं के बारे में आपकी अपनी समझ और भाषा पर आपका अधिकार व्यक्त होना चाहिए। सत्रीय कार्य का मूल्यांकन करते हुए परीक्षक इन सभी बातों को ध्यान में रखेंगे।

निर्देश : सत्रीय कार्य आरंभ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िए :

1. एम.ए. हिंदी के पाठ्यक्रमों के लिए कार्यक्रम दर्शिका में दिए हुए निर्देशों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए।
2. अपनी उत्तर-पुस्तिका के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर अपना अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनांक लिखिए।
3. अपनी उत्तर-पुस्तिकाओं की बाईं ओर पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य कोड और उस अध्ययन केंद्र का नाम/कोड लिखिए, जिससे आप संबद्ध हैं।

उत्तर पुस्तिका का प्रथम पृष्ठ निम्न प्रकार से शुरू होगा :

अनुक्रमांक :.....

नाम : .....

पता : .....

पाठ्यक्रम शीर्षक :.....

सत्रीय कार्य कोड : .....

अध्ययन केंद्र का नाम/कोड : ..... दिनांकः .....

---

4. उत्तर के लिए केवल फुलस्केप के आकार क कागज का इस्तेमाल करें और उन कागजों को अच्छी तरह से बाँध लें।
5. प्रत्येक उत्तर से पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें।
6. अपनी लिखावट में उत्तर दें।
7. सत्रीय कार्य की उत्तर-पुस्तिका जाँच के लिए अपने अध्ययन केंद्र के समन्वयक (coordinator) के पास जुलाई, 2018 सत्र में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थी अपना सत्रीय काय 31 मार्च 2019 और जनवरी, 2019 सत्र में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थी अपना सत्रीय कार्य 30 सितम्बर, 2019 तक अवश्य जमा करा दें।

प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित निर्देशों का सावधानीपूर्वक अध्ययन करें:

1. आपकी सत्रांत परोक्षा तीन घंटे की होगी और प्रत्येक सत्रीय कार्य भी तीन घंटे में किए जा सकने की दृष्टि से तैयार किए गए हैं। इसलिए सत्रीय कार्य में दिए गए प्रश्नों का उत्तर लिखते हुए इस बात का ध्यान रखें कि सभी प्रश्नों के उत्तर तीन घंटे में लिखे जा सकें।
2. प्रश्नों में जो पूछा गया है, उसको अच्छी तरह समझ कर उत्तर लिखें। जो नहीं पूछा गया है, उसे न लिखें। जितना पूछा गया है, उतना ही लिखें।
3. व्याख्या से संबंधित अंशों में, संदर्भ, प्रसंग, व्याख्या और भाषा–शैली या अन्य किसी विशष बात का उल्लेख करें। इन सभी पहलुओं के लिए अंक निर्धारित होते हैं।
4. अपने पास सत्रीय कार्य के उत्तर की प्रति अवश्य रखें।

शुभकामनाओं सहित!

नोटः याद रखें कि परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है। अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

एम.एच.डी – 1 : हिंदी काव्य–1 (आदि काव्य, भक्ति काव्य एवं रीति काव्य)
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.डी.
सत्रीय कार्य कोड : एम.एच.डी–1/टी.एम.ए/2018–19
कुल अंक : 100

1. निम्नलिखित प्रत्येक काव्यांश की लगभग 200 शब्दों में सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **10X4=40**

क) साधो, देखो जग बौराना।
साँची कहौ तौ मारन धावै झूँठे जग पतियाना।
हिन्दू कहत है राम हमारा मुसलमान रहमाना।
आपस में दोऊ लड़े मरतु हैं मरम कोई नहिं जाना।
बहुत मिले मोहिं नेमी धर्मी प्रात करैं असनाना।
आतम–छोडि पषानै पूजैं तिनका थोथा ज्ञाना।
आसन मारि डिंभ धरि बैठे मन में बहुत गुमाना।
पीपर–पाथर पूजन लागे तीरथ–बर्न भुलाना।
माला पहिरे टोपी पहिरे छाप–तिलक अनुमाना।
साखी सब्दै गाबत भूले आतम खबर न जाना।
घर–घर मंत्र जो देन फिरत हैं माया के अभिमाना।
गुरुबा सहित सिष्य सब बूड़े अंतकाल पछिताना।
बहुतक देखें पीर–औलिया पढ़ै किताब–क़ुराना।
करै मुरीद कबर बतलावै उनहूँ खुदा न जाना।

ख) राजै कहा दरस जौ पावौं। परबत काह, गगन कहै घावौं।।
जेहि परवत पर दरसन लहना। सिर सौं चढौं, पाँव का कहना।।
मोहूँ भावै ऊंचै ठाऊँ। ऊंचे लेउँ पिरीतम नाँऊ।।
पुरुषहि चाहिए ऊँच हियाऊ। दिन दिन ऊँचे राखै पाऊ।।
सदा ऊँच पै सेइय बारा। ऊचै सौं कीजिय बेवहारा।।
ऊँचै चढैं, ऊँच खंड सूझा। ऊंचे पास ऊँच मति बूझा।।
ऊँचे संग संगति नित कीजै। ऊँचे काज जीउ पुनि दीजैं।।

दिन दिन ऊँच होह सो, झेहि ऊंचे पर चाउ।।
ऊँचे चढ़त जो खसि परै, ऊँच न छाड़िय काउ।।

ग) खेती न किसानको, भिखारी को न भीख, बलि,
बनिकको बनिज, न चाकरकों चाकरी।
जीविका विहीन लोग सीद्यमान सोच बस,
कहैं एक एकन सों 'कहाँ जाई, का करी?'
बेदहूँ पुरान कही, लोकहूँ बिलोकिअत,
साँकरे सबै पै, राम! रावरें कृपा करी।
दारिद–दसानन दबाई दुनी, दीनबंधु!
दुरित–दहन देखि तुलसी हहा करी।

घ) तब तौ छबि पीवत जीवत हे, अब सोचन लोचन जात जरे।
हित पोष के तोष सु प्रान पले, बिललात महा दुख दोष भरे।
घन आनंद मीत सुजान बिना सब ही सुख–साज–समाज टरे।
तब हार पहार से लागत हे अब आनि कै बीच पहार परे।।

2. निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए : **15X3=45**

क) विद्यापति की काव्य संवेदना में मौजूद भक्ति और शृंगार के द्वंद्व का मूल्यांकन कीजिए।

ख) तुलसी के सामाजिक दृष्टिकोण का मूल्यांकन कीजिए।

ग) पद्माकर की कविताओं की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

3. निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए : **5X3=15**

क) सूर के काव्य की नयी उद्भावनाओं की संक्षिप्त चर्चा कीजिए।

ख) मीरा की कविताओं में मौजूद गिरधर नागर के स्वरूप का उल्लेख कीजिए।

ग) बिहारी के प्रकृति चित्रण की विशेषताएँ बताइए।

एम.एच.डी.–05 : साहित्य सिद्धांत और समालोचना

सत्रीय कार्य

(सभी खंडों पर आधारित)

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.डी.–5
सत्रीय कार्य कोड : एम.एच.डी.–5/टी.एम.ए./2018–2019
कुल अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. काव्य प्रयोजन पर विचार कीजिए। 10

2. संस्कृत आचार्यों द्वारा प्रतिपादित काव्य लक्षण पर प्रकाश डालिए। 10

3. रस सिद्धांत का विवेचन कीजिए। 10

4. आचार्य कुंतक द्वारा प्रतिपादित वक्रोक्ति के प्रमुख छः भेदों का परिचय दीजिए। 10

5. 'साधारणीकरण' क्या है? सोदाहरण समझाइए। 10

6. अरस्तू के 'विरेचन' सिद्धांत को स्पष्ट कीजिए। 10

7. क्रोचे के 'अभिव्यंजनावाद' तथा कुंतक के 'वक्रोक्ति' सिद्धांत का तुलनात्मक विवेचन कीजिए। 10

8. शुक्लोत्तर हिंदी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियों को रेखांकित कीजिए। 10

9. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए : 5x4=20

   (क) व्यंजना शब्द शक्ति

   (ख) खंड काव्य

   (ग) स्वच्छन्दतावाद

   (घ) उत्तर आधुनिकता

एम.एच. डी.–07 : हिन्दी भाषा और भाषाविज्ञान

सत्रीय कार्य

(सभी खंडों पर आधारित)

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.डी.–7
सत्रीय कार्य कोड : एम.एच.डी.–7/टी.एम.ए./2018–2019
कुल अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) निम्नलिखित पश्नों के उत्तर 1000–1000 शब्दों में दीजिए। 15x4=60

(1) संरचनात्मक भाषाविज्ञान के संदर्भ में फर्दिनांद द सस्युर के मतों का विवेचन कीजिए।

(2) भाषा के सामाजिक संदर्भ पर प्रकाश डालिए।

(3) हिंदी की खंडेतर ध्वनियों पर विचार कीजिए।

(4) 'प्रोक्ति विश्लेषण' से क्या आशय है? स्पष्ट कीजिए।

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 500–500 शब्दों में दीजिए। 10 x3=30

(1) संप्रेषण का स्वरूप

(2) पद विचार

(3) अनुवाद की प्रक्रिया

(ग) निम्नलिखित पर लगभग 250–250 शब्दों में टिप्पणियाँ लिखिएः 5x2=10

(1) अनेकार्थता

(2) कोष विज्ञान